भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2405

जिसका उत्तर दिनांक 24.03.2022 को दिया जाना है

गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर कार्य की स्थिति

2405 श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हरियाणा के फतेहाबाद जिले के गोरखपुर गांव में गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) उपर्युक्त परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्यवाहियों की स्थिति क्या है;

(ग) उक्त परियोजना के प्रथम चरण के पूरा होने की लक्षित तिथि क्या है;

(घ) सरकार द्वारा इस संबंध में कितना निवेश किया गया है और उक्त परियोजना पर कुल कितनी लागत आने की सम्भावना है और इसके साथ ही इस परमाणु ऊर्जा संयंत्र से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कितना रोजगार उत्पन्न होने की संभावना है; और

(ङ) उपर्युक्त क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा द्वारा कौन सी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व गतिविधि शुरू की गई है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) गोरखपुर स्थल पर नाभिकीय विद्युत परियोजना को दो चरणों अर्थात् जीएचएवीपी - 1 व 2 (2X700 मेगावाट) और जीएचएवीपी - 3 व 4 (2X700 मेगावाट) में क्रियान्वित किए जाने की योजना है । जीएचएवीपी - 1 व 2 के लिए, नाभिकीय भवन - 1 व 2 में नींव स्तम्भ के कंक्रीट भराव का कार्य पूरा कर लिया गया है । वर्तमान में, आईडीसीटी के लिए उत्खनन, आपात पश्चपूर्ति पानी का कुंड, स्विचयार्ड इत्यादि और आईडीसीटी, सुरंग और प्रमुख संयंत्र क्षेत्र, टरबाइन एवं 220 किलोवाट स्विचयार्ड क्षेत्र में सतही सुधार कार्य प्रगति पर है । शिरा परिरक्षक असेम्बलियों, कलैण्ड्रिया असेम्बलियों, विमंदक ऊष्मा विनिमयक, भाप जेनरेटर, रिएक्टर शीर्ष नलियां इत्यादि तथा बड़े पैकेज अर्थात् टरबाइन आइसलैंड पैकेज, मुख्य संयंत्र इलेक्ट्रिकल और स्विचयार्ड पैकेज इत्यादि के लिए क्रय आदेश जारी किए गए हैं ।

जीएचएवीपी - 3 व 4 के संबंध में, स्थल पर पूर्व-परियोजना गतिविधियां और दीर्घकालिक सुपुर्दगी के उपकरण के लिए आदेश जारी किए जाने का कार्य प्रगति पर है ।

(ख) हरियाणा में गोरखपुर स्थल पर भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा कर लिया गया है ।

(ग) प्रथम चरण अर्थात जीएचएवीपी - 1 व 2 (2X700 मेगावाट) के पूर्ण होने की निर्धारित तारीख वर्ष 2028 है ।

(घ) संस्वीकृत लागत व व्यय का विवरण निम्नलिखित है :

परियोजना	संस्वीकृत लागत, रूपये करोड़ में	व्यय (जनवरी 2022 तक), रूपये करोड़ में
जीएचएवीपी-1 व 2	20594	4075
जीएचएवीपी-3 व 4	21000*	122

'' 10 फ्लीट मोड रिएक्टर का एक भाग, रूपये 105000 करोड़ की लागत पर संस्वीकृति दी गई है ।*

निर्माण के दौरान, ठेकादार की बड़ी मात्रा में मानवशक्ति नियोजित होती है । प्रत्येक दो-दो यूनिट की परियोजना, जीएचएवीपी - 1 व 2 तथा जीएचएवीपी - 3 व 4 में निर्माण के दौरान रोजगार संभाव्यता घंटाकार वक्र में रहेगी जिसमें इसके शिखर पर लगभग 8000 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा । प्रचालित होने पर, प्रत्येक दो-दो यूनिट के बिजलीघरों से लगभग 2000 व्यक्तियों के लिए रोजगार (प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष) संभाव्यता उत्पन्न होने की आशा है । इसके अतिरिक्त, ठेकेदारों/विक्रेताओं से तथा व्यापार अवसर जो स्थल पर आर्थिक गतिविधि में वृद्धि के कारण उत्पन्न होंगे, से बड़ी मात्रा में रोजगार उत्पन्न होने की संभावना है ।

(ङ) परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार कौशल विकास सहित शिक्षा; स्वास्थ्य एवं स्वच्छता; आधारभूत संरचना विकास और पर्यावरणीय स्थिरता के चार बड़े क्षेत्रों में अपने नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में और उसके आस-पास निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अधीन कल्याण गतिविधियाँ आयोजित करता है । जीएचएवीपी में सीएसआर कार्यक्रम के अधीन आरम्भ की गई कुछ मुख्य पहल हैं - मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति दिए जाने के माध्यम से सहयोग; शैक्षणिक सहायता; सिलाई मशीन प्रदान करना; अंतर-संबद्ध मार्गों का निर्माण; कक्षाओं व प्रयोगशालाओं का निर्माण, स्कूलों को कंप्यूटर, वाटर कूलर, पंखें, फर्नीचर, लाइट, रेफ्रिजरेटर इत्यादि उपलब्ध कराना; कुछ पंचायत सहित

स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों में शौचालयों तथा स्कूलो में मध्यान्ह भोजन सुविधाओं का निर्माण करना । स्थानीय लोगों द्वारा पहचान की गई आवश्यकता के आधार पर गौशालाओं के निर्माण व गौशालाओं के नवीकरण के लिए भी विशेष प्रयास किए गए हैं । महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से एक क्षेत्र विशेष के विकलांग व्यक्तियों को सहयोगी यंत्र उपलब्ध कराना था । स्कूलों में शौचालय ब्लॉक के निर्माण के संवर्धन; गोरखपुर राज्य स्टेडियम में व्यायामशाला के लिए उपकरण उपलब्ध कराने; पेय जल टैंकों का निर्माण; चिकित्सा शिविरों, मोबाइल क्लीनिकों के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल सहित अधिक कल्याणकारी कार्य गोरखपुर में सीएसआर के अधीन चल रही गतिविधियों के रूप में पहचान किए गए हैं ।

*****